

पत्रावली पैसा दुई वहील वादी लंब वादी
को बार-बार रकत-रकत कर भावाज
लगवाई गई, परन्तु इनकी ओर से कोई
भी उपस्थित नहीं आये। इससे स्पष्ट होता
है कि वादी को जपठ बाद चलाने में काफी
मही है। अतः बाद वादी जदम दायरी लंब
जदम पैरवी में खासिज किया जाता है।
पत्रावली केसल सुमाट बेकर की नम्बर
से कम है। बाद लक्ष्मील जाहा दाजिल
दफ्तर है। निर्णय सुने न्यायालय में
सुनाया गया।

ए. सी. ई. एम. (फा. ट्रे.)
नवलगढ

